Linking Laws

TANSUKH SIR

The Bridge Between Law & Success

AIBE PRACTICE MCQs (BSA, 2023)

All India Bar Examination (AIBE – 22)

Practice Today Excel Tomorrow

- Chapter-wise MCQs
- As per Latest BSA, 2023
- Exam Oriented & Concept Based
- With Explanations & Key Provisions

Your Success Our Mission

Prepare | Practice | Perform

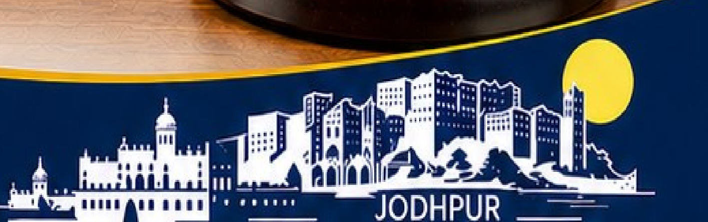

AIBE XXII

1. भारतीय साक्ष्य अधिनियम,2023 लागू होता है:
(a) किसी न्यायालय में या उसके समक्ष समस्त न्यायिक कार्यवाहियों में
(b) किसी न्यायालय या अधिकारी के समक्ष पेश किये शपथ-पत्रों में
(c) किसी मध्यस्थ के समक्ष कार्यवाहियों में
(d) उपरोक्त सभी में

2. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 2(घ) के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?
(a) मानचित्र या रेखांक दस्तावेज है।
(b) धातु पट्ट पर उत्कीर्ण लेख दस्तावेज है।
(c) उपहासांकन दस्तावेज नहीं है।
(d) किसी मनुष्य ने अमुक शब्द कहे, एक तथ्य है।

3. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में जहां एक तथ्य किसी अन्य तथ्य का निश्चायक सबूत घोषित किया गया है, वहां न्यायालय ------------
(a) एक तथ्य के नासाबित हो जाने पर उस अन्य को साबित मानेगा और नासाबित होने के तथ्य पर साक्ष्य दिये जाने की अनुज्ञा नहीं देगा ।
(b) एक तथ्य के साबित हो जाने पर उस अन्य को साबित मानेगा और उसे नासाबित करने के प्रयोजन के लिए साक्ष्य दिये जाने की अनुज्ञा नहीं देगा ।
(c) एक तथ्य के साबित हो जाने पर उस अन्य को साबित मानेगा परन्तु उसे नासाबित करने के प्रयोजन के लिए साक्ष्य दिये जाने की अनुज्ञा देगा
(d) एक तथ्य के साबित हो जाने पर उस अन्य को नासाबित मानेगा और साबित होने के तथ्य पर साक्ष्य दिये जाने की अनुज्ञा नहीं देगा।

4. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के अर्न्तगत न्यायालय के निरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया इलेक्ट्रोनिक अभिलेख है-
(a) इलेक्ट्रोनिक साक्ष्य
(b) दस्तावेजी साक्ष्य
(c) मौखिक साक्ष्य
(d) आधुनिक साक्ष्य

5. भारतीय साक्ष्य अधिनियम के किस प्रावधान में अभियुक्त अन्यत्र उपस्थित होने का अभिवाक कर सकता है?
(a) धारा 8
(b) धारा 9
(c) धारा 10
(d) धारा 11

6. जो तथ्य, विवाद्य न होते हुए भी किसी विवाद्यक तथ्य से उस प्रकार संसक्त है कि वे एक ही संव्यवहार के भाग है, चाहे वे उसी समय और स्थान पर या विभिन्न समों और स्थानों पर घटित हुए हो:
(a) असंगत हैं
(b) सुसंगत हैं
(c) आंशिक रूप से सुसंगत हैं
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

7. निम्न में से कौनसे तथ्यों को साबित किया जाना आवश्यक है?
(a) भारत के राज्यक्षेत्र में प्रवृत्त समस्त विधियां।
(b) शासकीय राजपत्र में अधिसूचित लोक उत्सव एवं अवकाश।
(c) भूमि पर मार्ग का नियम
(d) इनमे से कोई नहीं

8. दस्तावेजों की अन्तर्वस्तु के सिवाय सभी तथ्य साबित किए जाएंगे
(a) प्राथमिक साक्ष्य से
(b) द्वितीयक साक्ष्य से
(c) मौखिक साक्ष्य से
(d) परिस्थितिजन्य साक्ष्य से

9. निम्नलिखित में से कौन सा साक्ष्य विधि के अधीन श्रुति साक्ष्य के नियम का अपवाद नहीं है ?
(a) विशेषज्ञ की राय
(b) मृत्युकालीन कथन
(c) संस्वीकृति
(d) सम्बन्धित तथ्य (रेस जेस्टे)

10. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के किस अध्याय में 'मौखिक साक्ष्य के बारे में प्रावधानित किया गया है ?
(a) अध्याय- III
(b) अध्याय- IV
(c) अध्याय- V
(d) अध्याय- VI

11. परिस्थितिजन्य साक्ष्य के पंचशील स्वर्णिम सिद्धान्तों को निम्नलिखित में से किस वाद में स्थापित किया गया है ?
(a) पडाला वीरा रेड्डी बनाम आन्ध्र प्रदेश राज्य
(b) छत्तर सिंह बनाम हरियाणा राज्य
(c) शरद बिरधी माग्दा बनाम महाराष्ट्र राज्य
(d) पंजाब राज्य बनाम गुरुमीत सिंह

12. माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस निर्णय में, यह प्रतिपादित किया है कि एक पक्षकार, जो इलेक्ट्रोनिक साक्ष्य प्रमाणित करवाना चाहता है परन्तु उसकी पहुँच उस यंत्र तक नहीं है जिससे वह दस्तावेज उत्पादित किया गया था, को भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (BSA) की धारा 63 के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र को प्रस्तुत व प्रमाणित करना आवश्यक नहीं होगा
(a) स्टेट ऑफ देहली एनसीटी बनाम् नवजोत संधू उर्फ अफसान गुरू; ए.आई.आर. 2005 एस.सी. 3826
(b) हरपाल सिंह उर्फ छोटा बनाम् पंजाब राज्य; 2016(4) क्राईम्स 154
(c) अनवर पी.वी. बनाम् पी.के. बशीर; ए.आई.आर. 2015 एस.सी. 180
(d) शफी मोहम्मद बनाम् हिमाचल प्रदेश राज्य; एस.एल.पी. (क्रि.) नं. 3202

13. निम्नलिखित में से किसे 'प्राथमिक साक्ष्य' कहा जायेगा?
(a) मूल का छायाचित्र ।
(b) प्रमाणित प्रति
(c) किसी दस्तावेज का मौखिक वृत्तांत
(d) हस्तलिखित पत्र

14. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की निम्नलिखित में से कौन सी धारा द्वितीयक साक्ष्य से सम्बन्धित है?
(a) धारा 55 BSA (b) धारा 57 BSA
(c) धारा 58 BSA (d) धारा 60 BSA

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

15. अंकीय चिह्न के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सुसंगत है ?
(a) न्यायालय उस व्यक्ति या प्राधिकारी को अंकीय हस्ताक्षर प्रमाण पत्र पेश करने का निर्देश दे सकेगा।
(b) यह कि वह स्वयं न्यायालय में अपने हस्ताक्षर की पहचान करे।
(c) कोई अन्य व्यक्ति उसके हस्ताक्षर की पहचान न्यायालय के समक्ष करे।
(d) ऐसा अंकीय चिह्न न्यायालय के समक्ष किसी कार्यवाही में ग्राह्य नहीं है।

16. यह सूत्र की "लिखित दस्तावेजों को लिखित द्वारा ही साबित किया जाना चाहिये" भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की किस धारा में दिया गया है-
(a) धारा 89 के अर्न्तगत
(b) धारा 94 के अर्न्तगत
(c) धारा 127 के अर्न्तगत
(d) उपरोक्त किसी में नही

17. गलत कथन को इंगित कीजिए :
(a) यदि कोई संविदा कई पत्रों में अन्तर्विष्ट है तो वे सभी पत्र, जिनमें वह अन्तर्विष्ट है, साबित करने होंगे।
(b) यदि कोई संविदा किसी विनिमय पत्र में अन्तर्विष्ट है तो वह विनिमय पत्र साबित करना होगा।
(c) यदि विनिमय पत्र तीन परतों में लिखित है तो केवल एक को साबित करना आवश्यक है
(d) यदि 'A'. 'B' को उसके द्वारा दिये गये धन की रसीद देता है और संदाय करने का मौखिक साक्ष्य पेश किया जाता है, यह साक्ष्य ग्राह्य नहीं है।

18. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 104 के अन्तर्गत सबूत का भार:
(a) विचारण के दौरान परिवर्तित होता रहता है
(b) कभी परिवर्तित नहीं होता है
(c) परिवर्तित हो सकता है
(d) उक्त (a) व (c) दोनो सही है

19. कथन 'अ' : भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की धारा 117 के तहत् उपधारणा, अभियोजन द्वारा क्रूरता स्थापित करने पर भी आकर्षित नहीं होगी, यदि स्त्री का विवाह उसके आत्महत्या करने के सात वर्ष से अधिक समय पूर्व हुआ हो।
कथन 'ब' : भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 117 के प्रवर्तन पर, अभियोजन को अभियुक्त के विरूद्ध तथ्यों को संदेह से परे प्रमाणित करने की आवश्यकता नहीं रहती है। कौनसा कथन सही है?
(a) कथन अ
(b) कथन ब
(c) कथन अ तथा ब दोनों
(d) कोई भी कथन नहीं

20. विबन्ध के सिद्धान्त से तात्पर्य है-
(a) पूर्व कथन के अनुरूप कथन नहीं करना
(b) पूर्व में किये गये कथन/ स्वीकृति के विपरीत कथन करने से रोक
(c) पूर्व न्याय
(d) अस्पष्ट कथन

21. वचन-विबन्ध, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में अंतर्विष्ट किस प्रावधान के सिद्धान्त का विस्तार है:
(a) धारा 65
(b) धारा 110
(c) धारा 121
(d) धारा 150

22. निम्न में से कौनसा वक्तव्य विधि अनुसार सही है?
(a) सह अपराधी, अभियुक्त व्यक्ति के विरुद्ध सक्षम साक्षी होगा
(b) किसी साक्षी की प्रतिपरीक्षा में सूचक प्रश्न पूछा जा सकता है।
(c) न्यायालय किसी पक्षकार को अपने ही साक्षी से ऐसे प्रश्न करने की अनुज्ञा दे सकता है, जो प्रतिपक्षी द्वारा प्रतिपरीक्षा में किया जा सकता है
(d) उपरोक्त सभी

23. निम्न में से कौनसी परिस्थिति में मुख्य परीक्षण के दौरान न्यायालय की अनुमति से सूचक प्रश्न पूछे जा सकते है?
(a) उन बातों के बारे में जो विवादित है या पुनःस्थापना के रूप में नहीं है।
(b) जब प्रश्नगत बात पर्याप्त रूप से साबित है।
(c) उपरोक्त दोनों परिस्थितियों में।
(d) उपरोक्त में से किसी परिस्थिति में नहीं।

24. धारा 117 भारतीय न्याय संहिता के मामले में मुख्य परीक्षा के दौरान, पीड़ित अभियोजन प्रकरण से इन्कार करता है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के किस प्रावधान के तहत लोक अभियोजक पीड़ित से सूचक प्रश्न पूछ सकता है?
(a) धारा 144
(b) धारा 147
(c) धारा 157
(d) धारा 168

25. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के अर्न्तगत "लोक कल्याण की भावना सर्वोच्च विधि है," यह सूत्र सम्बन्धित है-
(a) धारा 127 से (b) धारा 128 से
(c) धारा 129 से (d) धारा 130 से

26. किसी व्यक्ति के विरूद्ध आपराधिक कार्यवाही में उस व्यक्ति का पति या पत्नी
(a) सक्षम साक्षी होंगे
(b) अक्षम साक्षी होगें
(c) अगर वे वयस्क हैं तथा दूसरे की सहमति हो तभी सक्षम साक्षी होंगे
(d) यदि वह स्वस्थ चित्त है तथा दूसरे की सहमति से ही सक्षम साक्षी होंगे

27. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के अन्तर्गत "लोक कल्याण की भावना सर्वोच्च विधि है" सूत्र सम्बन्धित है?
(a) धारा 127 से
(b) धारा 128 से
(c) धारा 129 से
(d) धारा 130 से

28. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के अधीन सूचक प्रश्न सामान्यतया पूछे जा सकते हैं:
(a) प्रति-परीक्षा में (b) मुख्य-परीक्षा में

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

(c) पुनः परीक्षा में (d) उपर्युक्त सभी में

29. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की कौन सी धारा "पति और पत्नी विधि में एक व्यक्ति होते हैं" के सिद्धान्त का प्रतिबंध हटाती है ?
(a) धारा 128
(b) धारा 125
(c) धारा 126
(d) धारा 129

30. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के अधीन निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
(a) धारा 39 - विशेषज्ञों की राय
(b) धारा 66 - इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर के बारे में सबूत
(c) धारा 74 - लोक दस्तावेजें
(d) धारा 130 - वृत्तिक संसूचनाएँ

31. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की कौन सी धारा विवाहित स्थिति के दौरान में की गई संसूचनायें प्रकट करने से संरक्षित करती है ?
(a) धारा 131
(b) धारा 129
(c) धारा 130
(d) धारा 128

32. "कब्जा स्वामित्व का प्रथम दृष्ट्या सबूत है" यह सिद्धान्त भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की किस धारा में दिया गया
(a) धारा 109 में
(b) धारा 112 में
(c) धारा 114 में
(d) धारा 113 में

33. 'क' पर आरोप है कि उसने रेल यात्रा बिना टिकट किया है । यह साबित करने का भार कि उसके पास टिकट था, किस पर होगा ?
(a) अभियोजन पर
(b) रेलवे प्रशासन पर
(c) 'क' स्वयं पर
(d) टिकट परीक्षक पर

34. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की निम्न कौन सी धारा इलेक्ट्रॉनिक करार के बारे में उपधारणा से सम्बन्धित है?
(a) धारा 80 BSA
(b) धारा 87 BSA
(c) धारा 90 BSA
(d) धारा 85 BSA

35. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की निम्नलिखित में से कौन सी धारा 'इलेक्ट्रॉनिक करार के बारे में उपधारणा से सम्बन्धित है?
(a) धारा 80 (b) धारा 84
(c) धारा 81 (d) धारा 85

36. पाँच वर्ष की पुरानी इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज के बारे में उपधारणा होती है
(a) तथ्य की उपधारणा
(b) विधि की उपधारणा
(c) तथ्य तथा विधि की उपधारणा
(d) निश्चयात्मक सबूत

37. पवन कुमार बनाम हरियाणा राज्य ए.आई.आर. 2001 सु.को.1324 का वाद सम्बन्धित है
(a) दहेज मृत्यु के बारे में उपधारणा से
(b) धर्मजत्व की उपधारणा से
(c) बलात्संग के बारे में उपधारणा से
(d) किसी विवाहित स्त्री द्वारा आत्महत्या के दुष्प्रेरण के बारे में उपधारणा से क्रूरता की थी, तो न्यायालय यह उपधारणा कर सकेगा कि ऐसी आत्महत्या उसके पति या उसके पति के ऐसे नातेदार द्वारा दुष्प्रेरित की गई थी।

38. 'A' पर रेल से बिना टिकट यात्रा करने का आरोप है । यह साबित करने का भार कि उसके पास टिकट है, उसी पर है, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की
(a) धारा 105 के अनुसार
(b) धारा 109 के अनुसार
(c) धारा 110 के अनुसार
(d) धारा 111 के अनुसार

39. "उत्तरजीविता की उपधारणा" का नियम भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की किस धारा में समाहित किया गया है ?
(a) धारा 109 में
(b) धारा 110 में
(c) धारा 111 में
(d) धारा 112 में

40. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में धारा 120 निम्न में से किस निर्णय के विरुद्ध व्यापक प्रदर्शन के बाद जोड़ी गयी ?
(a) तुकाराम बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र
(b) मोगिनबाई बनाम गुजरात राज्य
(c) हरपाल सिंह वाद
(d) प्रमोद महतो वाद

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

All India Bar Examination XXII Practice Set

उत्तर कुंजी

Q. No.	*Ans.*	Q. No.	*Ans.*	Q. No.	*Ans.*	Q. No.	*Ans.*
1.	[a]	11.	[c]	21.	[c]	31.	[d]
2.	[c]	12.	[d]	22.	[d]	32.	[d]
3.	[b]	13.	[d]	23.	[b]	33.	[c]
4.	[b]	14.	[c]	24.	[c]	34.	[d]
5.	[b]	15.	[a]	25.	[c]	35.	[d]
6.	[b]	16.	[b]	26.	[a]	36.	[a]
7.	[d]	17.	[d]	27.	[c]	37.	[d]
8.	[c]	18.	[b]	28.	[a]	38.	[b]
9.	[a]	19.	[a]	29.	[c]	39.	[b]
10.	[b]	20.	[b]	30.	[d]	40.	[a]

AIBE 22
Guidance Program
(Live + Recorded)
This is a smart, Bare Acts–based program designed with a single-minded goal
Crack the AIBE (All India Bar Examination)
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
Enrol Now or visit
linkinglaws.classx.co.in

Scan this QR
Course Brochure
Live Classes
Recorded Classes
6 Months Validity
Study Material Access
Full Mock Test
Practice Test Series
www.LinkingLaws.com

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

1. **Ans. [a]**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा** 23 (**धारा 21 BSA**) - आपराधिक कार्यवाही पर लागू नहीं।
2. **धारा** 105 (**धारा 108 BSA**)- सिविल कार्यवाही पर लागू नहीं।

स्पष्टीकरण- धारा 1 - साक्ष्य अधिनियम लागू होता है- सभी न्यायिक कार्यवहियो पर।
सिवाय - मध्यस्थ, शपथपत्र तथा सेना, नौसेना, वायुसेना अधिनियम पर।

2. **Ans. (3)**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 22** (धारा 20 **BSA**) **-** दस्तावेजो के संबंध में संस्वीकृति।
2. **धारा 61** (धारा 56 **BSA**) **-** दस्तावेजो की अंतर्वस्तु प्राथमिक व द्वितीयक साक्ष्यों द्वारा साबित।
3. **धारा 62** (धारा 57 **BSA**) **-** प्राथमिक साक्ष्य।
4. **धारा 63** (धारा 58 **BSA**) **-** द्वितीयक साक्ष्य।
5. **धारा 65** (धारा 60 **BSA**) **-** परिस्थिति जब द्वितीयक साक्ष्य का साक्ष्य दिया जा सकेगा।
6. **धारा 74** (धारा 74 **BSA**) **-** लोक दस्तावेज।
7. **धारा 76** (धारा 75 **BSA**) **-** लोक दस्तावेजो की प्रमाणित प्रति।
8. **धारा 77** (धारा 76 **BSA**) **-** प्रमाणित प्रति का साक्ष्य में ग्राह्य।
9. **धारा 29** [धारा **2(8) BNS**] - दस्तावेज, भा.द.सं. 1860

स्पष्टीकरण - **धारा 2(घ)** - उपहासांकन दस्तावेज है।

3. **Ans. [2]**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 41 (धारा 35 BSA)** – प्रोबेट, आदि क्षेत्राधिकार में कुछ निर्णय की सुसंगतता।
2. **धारा 112 (धारा 116 BSA)** – विवाह के दौरान जन्म, धर्मजत्व का निश्चायक सबूत।
3. **धारा 113** – क्षेत्र के कब्जे का सबूत।

नोट:- भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 113 को BSA, 2023 द्वारा हटा दिया गया है।
स्पष्टीकरण:- भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) 2023 की धारा 2(ख/ज/ठ)] उपधारणा कर सकेगा, उपधारणा करेगा और निश्चायक सबूत को परिभाषित करता है।
निश्चायक सबूत:-
- जब इस अधिनियम द्वारा एक तथ्य को दूसरे तथ्य का निश्चायक सबूत घोषित किया जाता है, तो न्यायालय एक तथ्य के साबित होने पर दूसरे तथ्य को साबित मानेगा और उसे गलत साबित करने के उद्देश्य से सबूत देने की अनुमति नहीं देगा।
- यह अच्छी तरह से स्थापित है कि जहां कोई अधिनियम किसी सबूत को कुछ तथ्यात्मक स्थिति या विधिक परिकल्पना के निश्चायक सबूत के रूप में मानने का आदेश देता है, तो कोई अन्य सबूत उपरोक्त निष्कर्ष का खंडन करने या उसे अलग करने के लिए पेश नहीं किया जा सकता है।

AIBE BARE ACTS COMBO SET©
Comprehensive Study Package
Study Materials (Major & Minor Laws inc. other Study Material
You can carry these Bare Act in Exam Hall for AIBE
Diglot Edition
English Edition
Link Provision
Section Switching Table
illustration Table
Bracket Presentation
Amendment Analysis
Key Words of Section
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
Order Now or visit
www.LinkingLaws.com
www.LinkingLaws.com

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

4. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान: -

1. **धारा 3** (धारा 2 BSA)– साक्ष्य की परिभाषा।
2. **धारा 61**(धारा **56 BSA) –** दस्तावेजी साक्ष्य - प्राथमिक साक्ष्य व द्वितीयक साक्ष्य।
3. **धारा 62** (धारा **57 BSA)–** प्राथमिक साक्ष्य ।
4. **धारा 63** (धारा **58 BSA)–** द्वितीयक साक्ष्य।
5. **धारा 60** (धारा **55 BSA)–** मौखिक साक्ष्य प्रत्येक अवस्था में प्रत्यक्ष होना चाहिए।
6. **धारा 91** (धारा **94 BSA)–** दस्तावेजी साक्ष्य दस्तावेज द्वारा ही साबित।

स्पष्टीकरण - धारा 2(ङ) BSA - साक्ष्य - दस्तावेजी साक्ष्य - न्यायलय के निरीक्षण के लिए पेश किये गए दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य।

मौखिक साक्ष्य - तथ्यों के संबंध में अन्वेषण में दिए गए दोनों कथन समिल्लित है।

5. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान:- धारा 6-55 (**धारा 3-50 BSA)**

स्पष्टीकरण - धारा 11(1) (धारा 9 BSA)-अन्यत्र उपस्थिति पर आधारित

धारा 11 (धारा 9 BSA) - वे तथ्य जो अन्यथा सुसंगत नही है, सुसंगत है,यदि-

(1) यदि विवाद्यक तथ्य या सुसंगत तथ्य से असंगत है।

(2) यदि वे किसी विवाद्यक तथ्य या सुसंगत तथ्य का अस्तित्व या अनस्तित्व अत्यंत अधिसम्भाव्य या अनधिसम्भाव्य बनाते हैं।

6. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान :-

1. **धारा 3** (धारा 2 **BSA) -** सुसंगत व विवाद्यक तथ्य।
2. **धारा 15** (धारा 13 **BSA) -** समान संव्यव्हार ।

स्पष्टीकरण - धारा 6 (धारा 4 BSA) - रेस जेस्टे का सिद्धांत- वे तथ्य जो विवाद्यक न होते हुए विवाद्यक तथ्य से इस प्रकार सशक्त है की वे एक ही संव्यव्हार के भाग हो, सुसंगत है।

7. Ans. [d]

लिंकिंग प्रावधान:- जहा न्यायालय स्वविवेक का प्रयोग करता है-

1. तथ्य की उपधारणा में।
2. स्वीकृत तथ्यों में धारा 58 (धारा 53 BSA) के अनुसार।
3. धारा 136 में। **(धारा 141 BSA)**

स्पष्टीकरण - धारा 56 (धारा 51 BSA) - न्यायिक रुप से अवेक्षणीय तथ्यों को साबित किया जाना आवश्यक नहीं। **धारा 57 (धारा 52 BSA) -** न्यायिक रुप से अवेक्षणीय तथ्यों की सूची जो कुल 13 खंडों में विभाजित है। **धारा 58 (धारा 53 BSA) -** के अनुसार स्वीकृत तथ्यों को साबित किया जाना आवश्यक नहीं परंतु न्यायालय स्वविवेकानुसार साबित करने को कह सकेगा।

8. Ans. [c]

लिंकिंग प्रावधान- धारा 59(धारा 54 BSA) L/w 3(धारा 2 BSA), 60(धारा 55 BSA), 119(धारा 125 BSA) IEA ।

स्पष्टीकरण-धारा 59(धारा 54 **BSA)** मौखिक साक्ष्य द्वारा तथ्यों के सबूत से संबंधित है। इस धारा के अनुसार, दस्तावेजों या इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों की अन्तर्वस्तु को छोड़कर सभी तथ्यों को मौखिक साक्ष्य द्वारा साबित किया जा सकता है।

JUDICIARY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Live + Recorded Course
Complete Syllabus Coverage
Mock Test Series | SubjectWise Practice Set | Recorded Lectures | Practice & Revision Sessions | Expert Mentorship (Tansukh Sir) | Bilingual Classes
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR ENROL NOW

ADVOCACY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Validity - 03 Months
Complete Syllabus Coverage
Civil Court Practice | Criminal Court Practice | Cyber Law Practice | Dual Mode Learning | Legal Personality Development | Structured 3 Volumes
is available at Linking App.
Scan this QR ENROL NOW

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

9. **Ans. [a]**
लिंकिंग प्रावधान- धारा 60(धारा 55 BSA) L/w 3(धारा 2 BSA), 6(धारा 4 BSA), 17-31(धारा 15-25 BSA), 32(1) (धारा 26 BSA), 33(धारा 27 BSA) IEA ।
व्याख्या- धारा 60(धारा 55 **BSA)** में कहा गया है कि साक्ष्य प्रत्यक्ष होना चाहिए। इसका अर्थ है कि अनुश्रुत साक्ष्य ग्राह्य नहीं है। लेकिन, कुछ अपवाद हैं जिनमें अनुश्रुत साक्ष्य ग्राह्य है। ये-
i) रेस जेस्टे- धारा 4 **BSA**
ii) स्वीकृति और संस्वीकृति
iii) मृत्युकालिक घोषणा – धारा 26(क) **BSA**
iv) पूर्व सुनवाई में दिए गए कथन-धारा 27 **BSA**

10. **Ans. [B]**
लिंकिंग प्रावधान- अध्याय 4 (धारा 54-55) BSA L/w धारा 20, 125, 168 BSA.
स्पष्टीकरण- धारा 2(ङ) "साक्ष्य" शब्द को परिभाषित करती है। इसमें मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य दोनों शामिल हैं।
मौखिक साक्ष्य-धारा 2(ङ) के अनुसार, जांच के तहत तथ्यों के मामले के संबंध में साक्षियों द्वारा कथन जो न्यायालय की अनुमति या उसके समक्ष किए जाने की आवश्यकता होती है, ऐसे कथन मौखिक साक्ष्य कहलाते हैं। अध्याय 4 (धारा 54-55 BSA) मुख्य रूप से मौखिक साक्ष्य से संबंधित है।
धारा 54- इसमें कहा गया है कि दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों की अंतर्वस्तु को छोड़कर सभी तथ्यों को मौखिक साक्ष्य से साबित किया जा सकता है।
धारा 55- यह प्रदान करता है कि मौखिक साक्ष्य प्रत्यक्ष होना चाहिए। इसमें कहा गया है कि मौखिक साक्ष्य के स्वीकार्य होने के लिए, साक्ष्य को उन व्यक्तियों द्वारा दिया जाना चाहिए जो स्वयं देखते हैं, सुनते हैं, अनुभव करते हैं या विचाराधीन राय बनाते हैं।

11. **Ans [c]**
लिंकिंग प्रावधान:- धारा 60 (**धारा** 55 BSA)– मौखिक साक्ष्य प्रत्यक्ष होना चाहिए।
स्पष्टीकरण:- शरद बिर्धीचंद सारदा बनाम महाराष्ट्र राज्य, (1984), इस न्यायालय ने परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर स्थापित किए जाने वाले मामले में आवश्यक सबूत के मानक के सुनहरे सिद्धांतों को निर्धारित किया। परिस्थितिजन्य साक्ष्य के पंचशील सिद्धांत हैं-
(i) जिन परिस्थितियों से अपराध का निष्कर्ष निकाला जाना है, उन्हें पूरी तरह से स्थापित किया जाना चाहिए।
(ii) इस प्रकार स्थापित तथ्यों को अपराध की परिकल्पना और अभियुक्त के अनुरूप होना चाहिए, अर्थात, उन्हें किसी अन्य परिकल्पना पर स्पष्ट नहीं किया जाना चाहिए सिवाय इसके कि अभियुक्त दोषी है।
(iii) परिस्थितियाँ एक निर्णायक प्रकृति और प्रवृत्ति की होनी चाहिए।
(iv) साबित की जाने वाली परिकल्पना को छोड़कर उन्हें सभी संभव परिकल्पनाओं को बाहर कर देना चाहिए।
(v) साक्ष्य की एक श्रृंखला होनी चाहिए।

12. **Ans. [d]**
स्पष्टीकरण - शफी मोहम्मद बनाम् हिमाचल प्रदेश राज्य, धारा 65ख (धारा 63 BSA) - प्रत्येक स्थिती में धारा 65ख (धारा 63 BSA) के प्रमाण पत्र को प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं।

13. **Ans. [d]**
लिंकिंग प्रावधान -
1. **धारा 3 (धारा 2 BSA)-** साक्ष्य की परिभाषा।
2. **धारा 61(धारा 56 BSA) -** दस्तावेजी साक्ष्य - प्राथमिक साक्ष्य व द्वितीयक साक्ष्य।
3. **धारा 62(धारा 57 BSA) -** प्राथमिक साक्ष्य ।
4. **धारा 63 (धारा 58 BSA)-** द्वितीयक साक्ष्य।
5. **धारा 22(धारा 20 BSA) -** दस्तावेजों की अंतर्वस्तु की स्वीकृति।
6. **धारा 91(धारा 94 BSA)-** दस्तावेजी साक्ष्य दस्तावेज द्वारा ही साबित।

स्पष्टीकरण - धारा 62(**धारा 57 BSA)**- के अनुसार- विकल्प डी हस्तलिखित मूल प्राथमिक साक्ष्य है जबकि विकल्प ए, बी व सी धारा 63 (धारा 58 BSA) के अंतर्गत द्वितीयक साक्ष्य है।

14. **Ans. [c]**
लिंकिंग प्रावधान- धारा 63 (**धारा** 58 BSA) **L/w 61** (**धारा** 56 BSA)**, 62**(**धारा** 57 BSA)**, 65**(**धारा** 60 BSA) **IEA I**
स्पष्टीकरण-धारा 63 (धारा 58 BSA)**,** 5 अलग-अलग चीजों के बारे में बात करती है जिन्हें द्वितीयक साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। वे हैं-
1. दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति।
2. एक यांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से मूल द्वारा बनाई गई प्रतियां।
3. मूल से बनाई गई या तुलना की गई प्रतियां।
4. दस्तावेजों के प्रतिलेख उन पक्षकारों के विरुद्ध जिन्होंने उन्हें निष्पादित नहीं किया।
5. किसी दस्तावेज की अंतर्वस्तु का मौखिक वृत्तांत किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दिया जाता है जिसने स्वयं उसे देखा हो।

15. **Ans. [a]**
लिंकिंग प्रावधान- धारा 73-क **(धारा 73 BSA) IEA।**

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

स्पष्टीकरण-धारा 73-क**(धारा 73 BSA)** अंकीय चिह्न के सत्यापन के बारे में सबूत से संबंधित है। यह 2000 के अधिनियम 21 द्वारा डाला गया था**,** जो 17/10/2000 से प्रभावी था। इस धारा के अनुसार**,** यह अभिनिश्चित करने के लिए कि क्या कोई अंकीय चिह्नक उस व्यक्ति का है जिसके द्वारा उसका लगाया जाना तात्पर्यित है**,** न्यायालय यह निदेश दे सकेगा कि-

क) वह व्यक्ति या नियंत्रक या प्रमाणकर्ता प्राधिकारी अंकीय चिह्नक प्रमाण-पत्र पेश करे**;**

ख) कोई अन्य व्यक्ति अंकीय चिह्नक प्रमाणपत्र में सूचीबद्ध लोक कुंजी के लिए आवेदन करे और उस अंकीय चिह्नक को जिसका उस व्यक्ति द्वारा लगाया जाना तात्पर्यित है**,** सत्यापित करे।

16. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान :-

1. **धारा 3** (धारा 2 BSA)**- साक्ष्य** - दस्तावेजी और मौखिक।
2. **धारा 61** (धारा 56 BSA)**-** दस्तावेजी साक्ष्य।
3. **धारा 64** (धारा 59 BSA)**-** दस्तावेजो को प्राथमिक साक्ष्य द्वारा साबित करना।
4. **धारा 65** (धारा 60 BSA)**-** जब द्वितीयक साक्ष्य ग्राह्य
5. **धारा 22** (धारा 20 BSA)**-** दस्तावेजो की अंतर्वस्तु की स्वीकृति।
6. **धारा 92** (धारा 95 BSA)**-** मौखिक करार के साक्ष्य साक्ष्य का अपवर्जन।

स्पष्टीकरण - धारा 91 (धारा 94 BSA)- सर्वोत्तम साक्ष्य के नियम पर आधारित।
अर्थात् जो लिखित दस्तावेज में हो उसे दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा ही साबित किया जाए।

17. Ans. [d]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 60 (धारा 55 BSA) -** मौखिक साक्ष्य प्रत्यक्ष होने चाहिए।
2. **धारा 91 (धारा 94 BSA)-** दस्तावेजों के रूप में लेखबद्ध संविदाओं, अनुदानों तथा संपत्ति के अन्य व्ययनों के निबन्धनों का साक्ष्य।
3. **धारा 92 (धारा 95 BSA) -** मौखिक करार के साक्ष्य का अपवर्जन।
4. **धारा 144 (धारा 147 BSA) -** लेखबद्ध विषयों के बारे में साक्ष्य।

स्पष्टीकरण:- भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 91 (धारा 94 BSA) के अनुसार, एक लिखित दस्तावेज़ में दर्ज की गई संविदा या तथ्यों के साक्ष्य में उसके मौखिक साक्ष्य को स्वीकार करने से नहीं रोका जाता है, जब तक कि वह साक्ष्य उस लिखित दस्तावेज़ से भिन्न या विरोधाभासी न हो। यदि कोई रसीद भुगतान के साक्ष्य के रूप में दी जाती है, तो उस भुगतान को साबित करने के लिए मौखिक साक्ष्य को स्वीकार किया जा सकता है।

18. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. धारा **102** (**धारा 105** BSA)
2. धारा **103-114 क** (**धारा 106**-120 BSA)

स्पष्टीकरण - धारा 101 (धारा 104 BSA) - सबूत का भार- सबूत का भार उस व्यक्ति पर होता है जो न्यायालय से चाहता है की न्यायालय किसी अधिकार या दायित्व के बारे में निर्णय दे जो किसी तथ्य के अस्तित्व पर निर्भर है उसे वह तथ्य साबित करना होगा। धारा 101 में सबूत का भार कभी नहीं बदलता जबकि धारा 102 (धारा 105 BSA) में सबूत का भार बदलता रहता है।

19. Ans. [a]

लिंकिंग प्रावधान :-

1. **धारा 3** (**धारा 2 BSA**) - उपधारणा की परिभाषा।
2. **धारा 498क (धारा 85 BNS**) - क्रूरता के लिए दंड, भा.द.सं.1860**।**
3. **धारा 306** (**धारा 108 BNS**) - आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण, भा.द.सं.1860**।**

स्पष्टीकरण- कथन अ:- धारा 113क (धारा 117 BSA) - विवाहित स्त्री द्वारा आत्महत्या के दुष्प्रेरण की उपधारणा**-** जहा प्रश्न हो विवाहित स्त्री द्वारा आत्महत्या पति या पति के नातेदारों द्वारा दुष्प्रेरित किया गया और यह दर्शित है कि विवाहिता ने विवाह से **7** वर्ष में आत्महत्या की और उसके पति या पति के नातेदारों ने क्रूरता की वहा न्यायालय उपधारणा कर सकेगा की आत्महत्या दुष्प्रेरित थी।

नोट - उपरोक्त प्रावधान के अनुसार आत्महत्या विवाह से **7** वर्ष में होना आवश्यक तत्व है।

कथन ब:- यह कथन असत्य है कि 113क (धारा 117 **BSA)** की उपधारणा अभियोजन पर से साबित करने के भार को समाप्त कर देती है। प्रत्येक मामले में अभियोजन पर अपराध को संदेह से परे साबित करने का भार बना रहता है।

20. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. धारा 116, 117 साक्ष्य अधिनियम। (**धारा** 122, 123 BSA)
2. धारा 43 संपत्ति अंतरण अधिनियम।
3. धारा 120,121,122, परक्राम्य अधिनियम, 1881

स्पष्टीकरण- धारा 115 (धारा 121 BSA) - विबंध - जहा कोई व्यक्ति अपनी घोषणा,कार्य या लोप द्वारा किसी व्यक्ति को साशय विश्वास दिलाता है की वह बात सत्य है और ऐसा व्यक्ति ऐसे विश्वास पर कार्य करता है वहा उसे या उसके प्रतिनिधि को ऐसी बात से मना करने नही दिया जायेगा।

नोट - यह सिद्धांत इस बात पर आधारित है की कोई व्यक्ति विपरीत बात नही कर सकता।

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

21. **Ans. [c]**

स्पष्टीकरण- भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 121 से 123 तक विबन्धन का विवेचन किया गया है।

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 116,117** साक्ष्य अधिनियम (धारा 122, 123 BSA)
2. **धारा 43** वचन विबंध- संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882
3. **धारा 120,121,122** परक्राम्य अधिनियम, 1881

स्पष्टीकरण- वचन विबंध धारा 115 साक्ष्य अधिनियम, 1872 का विस्तारित रुप है। **धारा 115 (धारा 121 BSA)** - विबंध - जहा कोई व्यक्ति अपनी घोषणा, कार्य या लोप द्वारा किसी व्यक्ति को साशय विश्वास दिलाता है कोई बात सत्य है और ऐसा व्यक्ति ऐसे विश्वास पर कार्य करता है वहा उसे या उसके प्रतिनिधि को ऐसी बात से मना करने नही दिया जायेगा।

नोट - यह सिद्धांत इस बात पर आधारित है की कोई व्यक्ति विपरीत बात नही कर सकता।

22. **Ans. [d]**

लिंकिंग प्रावधान- धारा 114 दृष्टांत(ख) **IEA** (धारा 119 **BSA)** धारा 306-308 द.प्र.सं. 1973 **(धारा 343**-345 BNSS)

(**क**) **धारा 133 (धारा 138 BSA)** - सह अभियुक्त किसी व्यक्ति के विरुद्ध सक्षम साक्ष्य है तथा बिना संपुष्टि दोषसिद्धि की जा सकती है।

(**ख**) **धारा 143 (धारा 146 BSA) -** सूचक प्रश्न प्रतिपरिक्षा में पूछे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - धारा **141 (धारा 146 BSA) -** सूचक प्रश्न **-** ऐसे प्रश्न जो उत्तर सुझाते है जिसे पूछने वाला पाना चाहता है। धारा **142 (धारा 146 BSA) -** सूचक प्रश्न मुख्य परीक्षा व पुन: परीक्षा में न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जायेंगे। **धारा 154 (धारा 157 BSA)** - न्यायालय किसी पक्ष को अपने ही साक्षी से ऐसे प्रश्न पूछने कि अनुज्ञा दे सकता है जो प्रतिपरिक्षा में पूछे जा सकते है।

23. **Ans. [b]**

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 141** (**धारा 146 BSA**) - सुसंगत प्रश्न।
2. **धारा 143** (**धारा 146 BSA**) - प्रति परीक्षा में सुसंगत प्रश्न।
3. **धारा 154** (**धारा 157 BSA**) - अपने ही साक्षी से प्रश्न करना जो प्रति परीक्षा में किये जा सकते है।

स्पष्टीकरण - धारा 142 (धारा 146 BSA) - सूचक प्रश्न मुख्य परीक्षा तथा प्रतिपरिक्षा में यदि विरोधी पक्ष आक्षेप करता है वहा न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जायेंगे।

न्यायालय निम्न परिस्थिति में अनुज्ञा देगा:-

1. पुन:स्थापन के रुप में हो,
2. निर्विवाद,
3. पर्याप्त रुप से पहले ही साबित हो चुकी हो।

AIBE PAPERATHON©
Paperathon Booklet
Topic-wise PYQ Analysis, Linked Provisions, Explanations & QR Video Solutions.
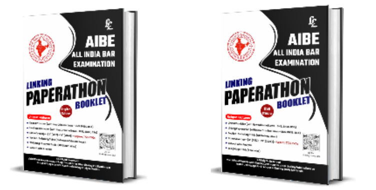

English Edition
Hindi Edition
Scan this QR
E-Study Materiel
Covers all AIBE Exams [3rd(2012)-21st (2026)
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
Order Now or visit
www.LinkingLaws.com
Link Provision
Linking Explanation
Weightage Analysis Table
[3rd (2012) - 21st (2026)]
Subject Wise Analysis
Section- Switching Table
www.LinkingLaws.com
BAR COUNCIL OF INDIA

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

24. Ans. [c]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 141** (**धारा 146 BSA**) - सूचक प्रश्न
2. **धारा 142** (**धारा 146 BSA**) - सूचक प्रश्न कब नहीं पूछे जा सकते।
3. **धारा 146** (**धारा 149 BSA**) - प्रतिपरिक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न।
4. **धारा 148** (**धारा 151 BSA**) - न्यायालय कब मना कर सकेगा।
5. **धारा 155** (**धारा 158 BSA**) - साक्षी की विश्वसनीयता पर अधिक्षेप **-** प्रतिपक्षी द्वारा या न्यायालय की सम्मति से उस पक्ष द्वारा जिसने साक्षी को बुलाया है।
6. **धारा 137,138** (**धारा 142, 143 BSA**) - प्रतिपरिक्षा क्या और कौन कर सकेगा।

स्पष्टीकरण - धारा 154 (धारा 157 BSA) - न्यायालय उस व्यक्ति को जो साक्षी को बुलाता है ऐसे प्रश्न पूछने की अनुज्ञा दे सकेगा जो प्रतिपरिक्षा में पूछे जा सकते है।

धारा 143 (धारा 146 BSA) - सूचक प्रश्न प्रतिपरिक्षा में पूछे जा सकेंगे।

25. Ans. [c]

लिंकिंग प्रावधान :-

1. **धारा 165** (धारा **158 BSA**) **-** न्यायलय कोई ऐसा प्रश्न नहीं पूछ सकता जिसे धारा 127-136 में संरक्षण।
2. **भाग 4 (अनुच्छेद 36-51) -** नीति निर्देशक तत्व - लोक कल्याण पर आधारित।
3. **धारा 91(3)** CrPC- दस्तावेज या अन्य चीज पेश करने के लिए समन - धारा 129/130 (साक्ष्य अधिनियम, 2023) पर लागू नहीं

स्पष्टीकरण - धारा 123 (धारा **129 BSA**) - "लोक कल्याण पर आधारित" राज्य के कार्यकलाप से संबंधित अप्रकाशित शासकीय अभिलेखों का साक्ष्य देने के लिए न्यायलय में अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।

26. Ans. [a]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 118** (धारा 58 BSA)**-** कौन साक्ष्य दे सकेगा ।
2. **धारा 119** (धारा 59 BSA)**-** बोलने मे असमर्थ व्यक्ति का साक्ष्य।
3. **धारा 133** (धारा 161 BSA)**-** सह अभियुक्त सक्षम साक्षी।
4. **धारा 18/19/20** (धारा 16/17/18 BSA)**–** स्वीकृति देने में सक्षम व्यक्ति।
5. **धारा 315** (धारा 353 BNSS)**-** अभियुक्त व्यक्ति अपने तथा उसी कार्यवाही में अन्य व्यक्ति के विरुद्ध आये साक्ष्यों को नासाबित करने के लिए सक्षम साक्षी होगा।

स्पष्टीकरण - धारा 120 (धारा 126 BSA) - सिविल कार्यवाही में पक्षकारों के पति पत्नी तथा आपराधिक कार्यवाही में अभियुक्त की पति पत्नी सक्षम साक्षी होंगे।

27. Ans. [c]

लिंकिंग प्रावधान:

1. **धारा 76 (धारा 75 BSA) -** लोक - दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां।
2. **धारा 123(धारा 129 BSA)**-राज्य के कार्य-कलापों के बारे में साक्ष्य।

स्पष्टीकरण:- धारा 123 (धारा 129 BSA) - "लोक कल्याण पर आधारित" राज्य के कार्यकलाप से संबंधित अप्रकाशित शासकीय अभिलेखों का साक्ष्य देने के लिए न्यायलय में अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।

28. Ans. [a]

लिंकिंग प्रावधान-

1. **धारा 141(धारा 146(1) BSA)-** सूचक प्रश्न - ऐसे प्रश्न जो उत्तर सुझाते है जिसे पूछने वाला पाना चाहता है।
2. **धारा 142(धारा 146(2)(3) BSA) -** सूचक प्रश्न मुख्य परीक्षा व पुन: परीक्षा में न्यायलय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जायेंगे।
3. **धारा 154(धारा 157 BSA)-** न्यायलय किसी पक्ष को अपने ही साक्षी से ऐसे प्रश्न पूछने कि अनुज्ञा दे सकता है जो प्रतिपरिक्षा में पूछे जा सकते है।

स्पष्टीकरण - धारा 143(**धारा 146(4) BSA)** - सूचक प्रश्न प्रतिपरिक्षा में पूछे जा सकेंगे।

29. Ans. [c]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 118(धारा 124 BSA) -** कौन साक्ष्य दे सकेगा ।
2. **धारा 119(धारा 125 BSA) -** बोलने मे असमर्थ व्यक्ति का साक्ष्य।
3. **धारा 133(धारा 138 BSA) -** सह अभियुक्त सक्षम साक्षी।
4. **धारा 18,19,20 (धारा 16,17,18 BSA) -** स्वीकृति देने में सक्षम व्यक्ति।
5. **धारा 315 (धारा 353 BNSS) -** अभियुक्त व्यक्ति अपने तथा उसी कार्यवाही में अन्य व्यक्ति के विरुद्ध आये साक्ष्यों को नासाबित करने के लिए सक्षम साक्षी होगा।

स्पष्टीकरण - धारा 120 (**धारा 126 BSA)**- इस तथ्य पर आधारित है की पति पत्नी एक ही व्यक्ति है।

धारा 120 (धारा 126 BSA) - सिविल कार्यवाही में पक्षकारों के पति पत्नी तथा आपराधिक कार्यवाही में अभियुक्त की पति पत्नी सक्षम साक्षी होंगे।

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

30. **Ans. [d]**
लिंकिंग प्रावधान- धारा 124(**धारा** 130 BSA) **L/w 122-123**(**धारा** 128-129 BSA)**, 125-129**(**धारा** 131-134 BSA) **IEA**
स्पष्टीकरण- धारा 124(धारा 130 **BSA)** शासकीय संसूचना से संबंधित है और धारा **126**(**धारा** 132 BSA) वृत्तिक संसूचना से संबंधित है।

31. **Ans. [d]**
लिंकिंग प्रावधान :- संसूचनाएं जो साक्ष्य से संरक्षित :-
1. **धारा 121-131**(**धारा** 127-136 BSA)- दो प्रकार से संरक्षित –
   i) न्यायलय द्वारा साक्ष्य देने को अनुज्ञात नहीं किया जायेगा - धारा 122(**धारा** 128 BSA), 123(**धारा** 129 BSA), 126(**धारा** 132 BSA), 127(**धारा** 132(3) BSA).
   ii) न्यायलय द्वारा विवश नहीं किया जायेगा - धारा 121(**धारा** 127 BSA), 124(**धारा** 130 BSA), 125(**धारा** 131 BSA), 128(**धारा** 133 BSA), 129(**धारा** 134 BSA), 130(**धारा** 135 BSA), 131(**धारा** 136 BSA) I
2. **धारा 112**(**धारा** 116 BSA)**–** विधिमान्य विवाह से उत्पन्न संतान के संबंध में धर्मजत्व की उपधारणा।

स्पष्टीकरण - धारा 122(**धारा** 128 BSA) **–** के अनुसार कोई व्यक्ति जो विवाहित है या विवाहित रह रह चुका है, विवाहित स्थिति के दौरान दी गयी संसूचना को प्रकट के लिए न विवश और न अनुज्ञात किया जायेगा।
अपवाद - 1) जब उस व्यक्ति ने सम्मति दे दी है जिसको संरक्षण।
2) जब विवाहित पक्षकारों के मध्य आपराधिक कार्यवाही हो।
3) जब विवाहित पक्षकारों के मध्य वाद हो।

32. **Ans. [d]**
लिंकिंग प्रावधान- धारा 110 (धारा 113 BSA) **IEA L/w धारा 6** SRA**।**
स्पष्टीकरण-धारा 110 (धारा 113 BSA) स्वामित्व के बारे में सबूत के भार से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि जब प्रश्न यह है कि क्या कोई व्यक्ति ऐसी किसी चीज का स्वामी है**,** जिस पर उसका कब्जा होना दर्शित किया गया है**,** तब यह साबित करने का भार कि वह स्वामी नहीं है**,** उस व्यक्ति पर है**,** जो प्रतिज्ञात करता है कि वह स्वामी नहीं है। यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि कब्जा स्वामित्व का प्रथम दृष्टया सबूत है।

33. **Ans. [c]**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 101 (धारा 104 BSA)-** सबूत का भार
2. **धारा 102(धारा 105 BSA) -** सबूत का भार किस पर होता है ।
3. **धारा 103(धारा 106 BSA) -** विशिष्ट तथ्य के बारे में सबूत का भार।

स्पष्टीकरण - धारा 106 (धारा 109 BSA)- विशेषत: ज्ञात तथ्य को साबित करने का भार- जबकि कोई तथ्य विशेषत: किसी व्यक्ति के ज्ञान में है, तब उस तथ्य को साबित करने का भार उस पर है। (प्रश्नगत दृष्टांत में क को टिकिट का विशेष ज्ञान है।)

34. **Ans. [d]**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 65-क (धारा 62 BSA) -** इलैक्ट्रानिक अभिलेख से संबंधित साक्ष्य के बारे में विशेष उपबंध।
2. **धारा 65-ख (धारा 63 BSA) -** इलैक्ट्रानिक अभिलेखों की ग्राह्यता।
3. **धारा 85-ख (धारा 86 BSA) -** इलैक्ट्रानिक अभिलेखों और इलैक्ट्रानिक हस्ताक्षर के बारे में उपधारणा।
4. **धारा 85- ग (धारा 87 BSA) -** इलैक्ट्रानिक हस्ताक्षर प्रमाणपत्रों के बारे में उपधारणा।

स्पष्टीकरण: - धारा 85-क (धारा 85 BSA) : न्यायालय यह मान लेगा कि प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख जो पक्षों के इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर वाले करार के रूप में माना जाता है, पक्षों के इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर लगाकर संपन्न किया गया था।

35. **Ans [d]**
लिंकिंग प्रावधान- दस्तावेजों के संबंध में उपधारणा: धारा 79-90A।
स्पष्टीकरण-धारा 85क (धारा 85 BSA) इलेक्ट्रॉनिक करार के बारे में उपधारणा से संबंधित है। यह प्रावधान करती है कि, न्यायालय यह उपधारित करेगा कि हर ऐसा इलेक्ट्रानिक अभिलेख, जिसका ऐसा करार होना तात्पर्यित है जिस पर पक्षकारों के इलेक्ट्रानिक चिह्नक हैं, पक्षकारों के इलेक्ट्रानिक चिह्नक लगाकर किया गया था।

36. **Ans [a]**
लिंकिंग प्रावधान- L/w धारा 81-90 BSA
स्पष्टीकरण-धारा 90क (धारा 93 BSA) पाँच वर्षीय पुराने इलेक्ट्रानिक अभिलेखों के बारे में उपधारणा से संबंधित है।यह प्रावधान करती हैकि, जहां कोई इलेक्ट्रानिक अभिलेख, जिसका पाँच वर्ष पुराना होना तात्पर्यित है या साबित किया गया है, ऐसी किसी अभिरक्षा से जिसे न्यायालय उस विशिष्ट मामले में उचित समझता है पेश किया गया है, वहां न्यायालय, यह उपधारित कर सकेगा कि ऐसा इलेक्ट्रानिक चिह्नक, जिसका किसी विशिष्ट व्यक्ति का इलेक्ट्रानिक चिह्नक होना तात्पर्यित है, उसके द्वारा या उसकी ओर से इस निमित्त प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा लगाया गया था।

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

37. **Ans. [d]**

लिंकिंग प्रावधान- धारा 113क (धारा 117 BSA) L/w 4, 86-88A(धारा **88-90 BSA), 90(**धारा **92 BSA), 90A(**धारा **93 BSA), 114(**धारा **119 BSA) IEA, 107(**धारा **45 BNSS), 306(**धारा **108 BNSS), 498A(**धारा **85,86 BNSS) IPC ।**

स्पष्टीकरण-धारा 113क (धारा 117 BSA) एक विवाहित महिला द्वारा आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण की उपधारणा से संबंधित है। यह प्रदान करता है कि जब यह दर्शित किया जाता है कि महिला ने अपनी शादी की तारीख से 7 साल की अवधि के भीतर आत्महत्या कर ली थी और उसके पति या उसके पति के रिश्तेदार ने उसके साथ

38. **Ans. [b]**

लिंकिंग प्रावधान- धारा 106 (धारा 109 BSA) **उदाहरण b L/w 103**(धारा 106 BSA) **IEA ।**

स्पष्टीकरण- धारा 106 (धारा 109 BSA) विशेषतः ज्ञात तथ्य को साबित करने के भार से संबंधित है। यह प्रावधान करता है कि जब कोई तथ्य विशेषतः किसी व्यक्ति के ज्ञान में है, तब उस तथ्य को साबित करने का भार उस पर है।

उदाहरण ख- क पर रेल से बिना टिकट यात्रा करने का आरोप है। यह साबित करने का भार कि उसके पास टिकट था, उस पर है।

39. **Ans. [b]**

लिंकिंग प्रावधान- धारा 107(**धारा** 110 BSA) **L/w 108**(**धारा** 111 BSA) **IEA I**

स्पष्टीकरण-धारा 107 (**धारा** 110 BSA) उस व्यक्ति की मृत्यु को साबित करने के भार से संबंधित है जिसके बारे में ज्ञात हो कि वह तीस वर्षों के भीतर जीवित था। यह जीवन या उत्तरजीविता की उपधारणा है। इसमें कहा गया है कि जब प्रश्न यह है कि कोई व्यक्ति जीवित है या मर गया है, और यह दर्शित किया गया है कि वह तीस साल के भीतर जीवित था, तो यह साबित करने का भार उस व्यक्ति पर है जो उसे प्रतिज्ञात करता है।

40. **Ans. [a]**

उपधारणा से संबंधित प्रावधान -

1. **तथ्य की उपधारणा -** धारा 4(धारा 2(b)(h)(i) BSA), 86-88A(धारा 88-90 BSA), 90(धारा 92 BSA), 90A(धारा 93 BSA), 113A(धारा 117 BSA), 114(धारा 119 BSA) I
2. **विधि की उपधारणा -** धारा 4(धारा 2(b)(h)(i) BSA), 79-85C(धारा 78-87 BSA), 89(धारा 91 BSA), 105(धारा 108 BSA), 107(धारा 110 BSA), 108(धारा 111 BSA), 111A(धारा 115 BSA), 113B(धारा 118 BSA), **114-क (धारा 120 BSA)**.
3. **निश्चायक सबूत-** 4(धारा 2(b)(h)(i) BSA), 41(धारा 35 BSA), 112(धारा 116 BSA)
4. दंड विधि संशोधन अधिनियम, 2013

स्पष्टीकरण - मामला - तुकाराम बनाम महाराष्ट्र राज्य (मथुरा रेप मामले) के मामले द्वारा धारा 114-क (धारा 120 BSA) प्रभाव में आयी।

धारा 114-क (धारा 120 BSA) – जहाँ BNS की धारा 64 (a-n) के अधीन अभियुक्त पर अपराध करने का आरोप है और संभोग साबित है तब यह प्रश्न की संभोग सहमति से किया गया था या नहीं और पीड़ित न्यायलय के सामने कहती है उसने सहमति नहीं दी थी, वहा न्यायलय उपधारणा करेगा, सहमति नहीं थी।

JUDICIARY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Live + Recorded Course
Complete Syllabus Coverage
Mock Test Series | SubjectWise Practice Set | Recorded Lectures | Practice & Revision Sessions | Expert Mentorship (Tansukh Sir) | Bilingual Classes
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
ENROL NOW

ADVOCACY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Validity - 03 Months
Complete Syllabus Coverage
Civil Court Practice | Criminal Court Practice | Cyber Law Practice | Dual Mode Learning | Legal Personality Development | Structured 3 Volumes
is available at Linking App.
Scan this QR
ENROL NOW

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click here to Buy now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll